• बाल कविता...

दादा जी और चिंटू ....

रंग-बिरंगी ढेर किताबें
दादा जी की अलमारी में,
जैसे चिड़ियों की कतार है
प्यारी-प्यारी फुलवारी में।
पहने चश्मा दिन-दिन भर क्या
पढ़ते रहते हैं दादा जी,
दादी आकर रोज टोकतीं
काम करो मत अब ज्यादा जी।
पर दादा जी मुसकाकर फिर
पढ़ने में हो जाते लीन,
ढेर किताबों में दादा जी
कैसा बढ़िया-सा यह सीन!
पढ़ते-पढ़ते थक जाते तो
कमरे में टहला करते हैं,
नन्हा चिंटू समझ न पाता
चुप-चुप क्या सोचा करते हैं?
आखिर रह न पाया चिंटू
गया ठुमककर उनके पास,
बोला-फुरसत में हूं मुझको
काम बताओ कोई खास!
दादा जी ने ढूंढ़ निकाली
फोटू वाली एक किताब,
फूल छपे थे उसमें बढ़िया
चंपा, चूही और गुलाब।
देख-देख खुश होता चिंटू
ताजी बजा-बजा हंसता है,
संग-संग हंस देते दादा जी
तब कितना अच्छा लगता है!

-प्रकाश मनु

• चुटकुले..

मेहमान – और बताओ बेटा चंकी, आगे क्या सोचा है?
चंकी – बस अंकल, आपके जाते ही बिस्किट खाऊंगा।
नमकीन तो आपने छोड़ी नहीं है।

बेटा– मां दस रूपये चाहिए गरीब को देने हैं।
मां – कहाँ है गरीब?
बेटा – बाहर कड़ी धूप में आइसक्रीम बेच रहा है।

• आप जानते हैं...

समुद्री घास...

समुद्री घास ऐसे पौधे हैं जो समुद्र के पानी में वास के अनुकूल हो गए हैं। पहले, ये घास जमीन पर उगते थे, लेकिन धीरे-धीरे पानी के नीचे के वास में चले गए। शैवाल के विपरीत सभी समुद्री घास में राइजोम, तना, पत्तियां, पुष्पक्रम और फल होते हैं। वे जहां भी बढ़ते हैं, वे बहुत गहरे नहीं होते (50 मीटर गहराई तक)। उनके मोटे सुंदर रसीले घास के मैदानों से मिलते जुलते हैं। जमीन पर उगने वाली हरी-भरी घास जितनी खूबसूरत और आंखों को सुकून देने वाली होती है, उससे भी खूबसूरत होती है समुद्र के अंदर उगने वाली तरह-तरह की घास। दुनियाभर के समुद्रों के अंदर 72 से अधिक तरह की घास मिलती है। इनमें से कुछ के पत्ते चौड़े होते हैं, कुछ तरह की घास तीन पत्तियों वाली होती हैं तो कुछ विशेष तरह की घास के पत्ते काफी लंबे-लंबे होते हैं।

▶▶ फ्लोरिडा के दक्षिण में 13,934 वर्ग किलोमीटर में फैला है सबसे बढ़ा समुद्री घास का मैदान। सबसे अधिक गहराई में मिलने वाली समुद्री घास 90 मीटर की गहराई में मिलती है।

▶▶ सबसे लंबी समुद्री घास जापान के पास मिलती है, जिसकी लंबाई लगभग 11 फुट तक होती है।

▶▶ इंग्लैंड के पास के समुद्र में दो घास के बड़े मैदान हैं, जहां समुद्री घोड़ों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं।

▶▶ समुद्री घास ऑक्सीजन का इतना अच्छा स्रोत है कि इसे समुद्र का फेफड़ा कहा जाता है, क्योंकि एक वर्ग मीटर समुद्री घास के मैदान से रोजाना 10 लीटर ऑक्सीजन का निर्माण होता है।

▶▶ दुनियाभर में उत्सर्जित होने वाले 12 प्रतिशत कार्बन के दुष्प्रभाव को समुद्री घास संतुलित करती है, जबकि यह समुद्र तल के 0.1 प्रतिशत हिस्से में ही फैली है।

▶▶ वैज्ञानिक शोध के अनुसार 1980 से हर घंटे फुटबॉल के दो मैदानों के बराबर समुद्री घास का नुकसान हो रहा है, जिसे बचाने के लिए वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। समुद्री घास से फ्रांस में ऐसी चटाई बनाई गई थी, जिसका इस्तेमाल गोलियों की चोट रोकने के लिए किया जा सकता था। पहले विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस ने इसका इस्तेमाल भी किया था। इसे बैंडेज से लेकर गद्देदार बैठने की मैट के रूप में भी इस्तेमाल किया जा चुका है। अभी भी फर्नीचर के निर्माण में इसका इस्तेमाल किया जाता है।

• श्रीलंका की लोक-कथा

विचित्र टोपी

गतांक से आगे...

दुकानदारों को इसमें क्या आपत्ति होती। लड़के का भी इसमें कोई नुकसान नहीं था। उसने वह रकम उन तीनों व्यक्तियों की एक गुप्त-गुल्लक में से निकालकर दी थी।

दूसरे दिन सुबह वह तीनों व्यक्तियों को लेकर बाजार में पहुंचा। तब तक बाजार में उसके पेशगी रकम देने की बात फैल चुकी थी। सबने उसे कोई सिर-फिरा रईस समझ लिया था। इसलिए जिस दुकान के सामने से वह निकल जाता, उसका मालिक सिर झुकाकर अदब से खड़ा हो जाता। सारे बाजार का चक्कर लगाने के बाद वह लड़का उन्हें एक बड़ी दुकान में ले गया। यहां खाने-पीने की बड़ी स्वादिष्ट चीजें रखी थीं। चारों ने छककर भोजन किया। भोजन करने के बाद लड़का उठा। उसके साथ तीनों व्यक्ति भी उठ खड़े हुए। जब वे बाहर जाने लगे तो दुकान का मालिक हाथ जोड़कर उठ खड़ा हुआ। वह बोला-फिर कभी जरूर पधारिएगा। दुकान आपकी ही है।

लड़का मुस्कराकर रह गया। तीनों व्यक्तियों की तो आंखें फटी रह गईं। उन्होंने सपने में भी टोपी के चमत्कारी होने की बात नहीं सोची थी।

तीनों व्यक्ति चुपचाप उसके पीछे हो लिए। वह लड़का दिनभर उन्हें बाजार में घुमाता रहा।

रात को वे घर लौटने लगे। राह में उन तीनों व्यक्तियों ने वह चमत्कारी टोपी खरीदने का निश्चय किया और घर पहुंचते ही वह उस लड़के से टोपी खरीदने की बात चलाने लगे। लड़के ने टोपी बेचने से इनकार कर दिया।

उधर तीनों व्यक्तियों ने किसी भी तरह वह टोपी हथियाने का निर्णय कर लिया था। उन्होंने हाथ जोड़कर उसकी चिरौरी की, अपना सब-कुछ देकर भी टोपी खरीदने की उतावली दिखाई तो लड़के ने कहा-आप लोग मुझे इतना लज्जित न करें। मैं आपको यह टोपी दे दूंगा।

दूसरे दिन सुबह वह तीनों व्यक्तियों को लेकर बाजार में पहुंचा। तब तक बाजार में उसके पेशगी रकम देने की बात फैल चुकी थी। सबने उसे कोई सिर-फिरा रईस समझ लिया था।

इसलिए जिस दुकान के सामने से वह निकल जाता, उसका मालिक सिर झुकाकर अदब से खड़ा हो जाता। सारे बाजार का चक्कर लगाने के बाद वह लड़का उन्हें एक बड़ी दुकान में ले गया...

उसी रात तीनों व्यक्तियों ने अपनी सारी संपत्ति लड़के को थमाकर उससे टोपी ले ली। लड़का उनका सारा माल-असबाब अपने उसी बैल पर लादकर चल पड़ा और रातों-रात बहुत दूर निकल गया।

सुबह हुई और तीनों व्यक्ति टोपी की बदौलत बाजार-का-बाजार खरीदने के लिए चल पड़े बाजार पहुंचने पर वे पहले उसी दुकान में गए, जहां एक दिन पहले उस लड़के ने उन्हें छककर भोजन कराया था। टोपी के कारण दुकान का मालिक उन्हें फौरन पहचान गया। उसने उठकर उनकी आवभगत की और स्वयं खाने-पीने की चीजें ला-लाकर उनके सामने रखता गया। तीनों व्यक्तियों ने सोचा, टोपी अपना कमाल दिखा रही है। उन्होंने खूब छककर खाना खाया, फिर डकार लेते हुए उठ खड़े हुए। जब वे बिना पैसे दिए बाहर जाने लगे तो दुकानदार ने कहा-जनाब, पैसे तो देते जाइए।

तीनों व्यक्ति तमक उठे-पैसे, पैसे किस बात के? और यह कहते हुए उनमें से एक ने टोपी दुकानदार की आंखों के सामने नचा दी। दुकानदार काफी मोटा-तगड़ा था। वह अकेला ही तीनों के लिए काफी था। उसने लपककर टोपी वाले व्यक्ति की गर्दन पकड़ ली और बोला-अब बताऊं तुझे पैसे किस बात के?

तीनों व्यक्ति बड़े सकपकाए। उनमें से एक ने जल्दी-जल्दी पैसे देकर अपना पिंड छुड़ाया और दुकान से बाहर हो गए।

बाहर आकर वे आपस में झगड़ने लगे। अब वे तीनों फिर एक दुकान में गए। वहां भी उन्होंने मनचाही चीजें खरीदीं। जब वे उनकी गठरी बांधकर चलने लगे तो दुकानदार ने उनसे चीजों के दाम मांगे। तीनों व्यक्तियों को कुछ सूझ न पड़ा। घबराहट में टोपी पहना व्यक्ति दुकानदार के सामने आकर अपना सिर हिलाने लगा ताकि दुकानदार टोपी से प्रभावित हो जाए। पर इसका उल्टा असर हुआ। दुकानदार ने उसे जो थप्पड़ मारा तो टोपी उड़कर भट्ठी में जा गिरी और क्षणभर में जलकर राख हो गई।

-समाप्त

• जानकारी...

चीटियों का कारनामा

चीन की विशाल दीवार दुनिया भर में मशहूर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे बनाने में लगभग 30 लाख लोगों ने अपना पूरा जीवन लगा दिया। लेकिन क्या तुम अंदाजा लगा सकते हो कि चींटी कितनी बड़ी दीवार खड़ी कर सकती है? दरअसल इसका अंदाजा अब तक कोई नहीं लगा पाया है। चींटियों की दुनिया और उनके शहर का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि अमेरिका में चींटियों के एक घोंसले में तीन दिन तक 10 टन यानी 10 हजार किलोग्राम सीमेंट का घोल डाला गया। एक महीने के बाद उस जगह की सावधानी पूर्वक खुदाई की गई। चींटियों ने जमीन के अंदर 50 वर्ग मीटर क्षेत्र में आठ मीटर गहराई तक एक विशाल शहर बनाया हुआ था। इस शहर के निर्माण के लिए चींटियों ने 40 हजार किलोग्राम मिट्टी को वहां से बाहर निकाल दिया था और अपने लिए घर, चौड़े रास्ते, पतले रास्ते, हवा की व्यवस्था के लिए जरूरी जगह आदि बना रखी थी। करोड़ों चींटियों ने आपसी तालमेल रखते हुए बड़ी खूबसूरती से अपने इस शहर का निर्माण किया।

• अनोखी चिड़िया...

▶▶ बर्ड ऑफ पैराडाइज' फैमिली की पैरोटिया एक ऐसी छोटी और अद्भुत चिड़िया है, जो अपने पंखों को स्कर्ट की तरह फुलाकर बैले जैसा बड़ा हैरतअंगेज डांस करती है। इसके सिर पर छह पंखों की कलगियां होती हैं, जो पतले तारों से जुड़ी होती हैं। इसके सिर और गले पर इंद्रधनुष जैसे पैच होते हैं, जो अंधेरे में बहुत चमकते हैं। यह चिड़िया न्यू गिनी की मूल निवासी है।